वर्ष-12, अंक-5
इन्दौर, सोमवार
30 दिसम्बर से 5 जनवरी
2025 पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

साप्ताहिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

न्यूज़ ब्रीफ

तूफान से दो लोगों की मौत

टेकसास (एजेंसी)। मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता के अनुसार मिसिसिपी में एडम्स काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और फ्रैंकलिन काउंटी में दो लोग घायल हो गए। टेक्सास और मिसिसिपी में शनिवार को आए कई तूफानों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए।

बस पलटने से चार यात्रियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के कोरापुट जिले में रविवार सुबह एक बस के पलट जाने से चार यात्रियों की मौत हो गई और 40 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा बोइपारीगुडा थाना क्षेत्र में गुप्तेश्वर के पास डोकरीघाट में तड़के करीब साढ़े पांच बजे हुआ।

कांकेर में सड़क दुर्घटना में दो युवतियों सहित पांच लोगों की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की चपेट में आने से मोटरसाइकिलों पर सवार दो युवतियों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र के अंतर्गत खंडी नदी के करीब एक स्कॉर्पियो वाहन ने दो मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिलों पर सवार दो युवतियों कामती कावड़े, प्रियंका निषाद और तीन युवकों सेवन कुमार, चोकेश्वर प्रजापति और एक अन्य की मौत हो गई। सभी मृतकों की उम्र लगभग 21 से 22 वर्ष है। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है । भानुप्रतापपुर से अंतागढ़ की ओर जा रहा एसयूवी आज जब खंडी नदी के करीब पहुंचा तब उसने सामने से आ रही दो मोटरसाइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया।

दक्षिण कन्नड़ जिले में सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस ने बताया कि पुत्तूर यातायात पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और लोगों को कार से बाहर निकाला लेकिन तब तक तीनों कार सवारों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर तालुक में परलाडका के पास शनिवार की सुबह एक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुबह लगभग 4.15 बजे सुलिया से पुनाचा की ओर जा रही एक कार पलट कर खाई में जा गिरी।उन्होंने बताया कि इस बात की आशंका है कि चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ है। पुलिस ने बताया कि पुत्तूर यातायात पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी 24 फरवरी को करेंगे जीआईएस-2025 का शुभारंभ : मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) एक वैश्विक समागम है। व्यवस्थाओं में कोई भी कमी न रहे। दो महीने से भी कम समय शेष है, समय रहते सभी प्रकार की तैयारियां पुख्ता तरीके से कर ली जाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को जीआईएस 2025 का विधिवत् शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में जीआईएस-2025 की तैयारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि जीआईएस में कोर सेक्टर्स पर फोकस करते हुए ऐसी गतिविधियां आयोजित करें, जिससे ठोस परिणाम मिलें। जीआईएस-2025 में देश-विदेश से आने वाले सभी मेहमानों के रहने-खाने एवं आसपास के पर्यटन स्थलों पर आने-जाने एवं भ्रमण की समुचित व्यवस्था की जाए। मेहमानों को होम-स्टे के बारे में भी बताया जाए। इस कार्य के लिए संस्कृति, वन, पर्यटन एवं स्थानीय प्रशासन आपसी समन्वय के साथ भोपाल शहर के सौंदर्यीकरण के कार्यों के लिए भी अभी से युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दें। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, एमडी एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला, कमिश्नर भोपाल श्री संजीव सिंह, एमडी पर्यटन विकास निगम श्री इलैया राजा टी., कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, संचालक जनसम्पर्क श्री अंशुल गुप्ता तथा उद्योग विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विशेषताओं को संजोए हुए जीआईएस-2025 का ऐसा भव्य आयोजन किया जाए कि यह आने वाले प्रतिभागियों के जीवन की बेहतरीन यादों में शामिल हो जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष-2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है। साल भर प्रदेश के विभिन्न संभागों में हर महीने किसी एक सेक्टर जैसे पॉवर सेक्टर, नवकरणीय ऊर्जा, ऑटो, एग्रो, पर्यटन, माइनिंग, हेल्थ, एजुकेशन और आईटी सेक्टर पर आधारित सेक्टोरल एक्सपो या कॉन्क्लेव का आयोजन भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गतिविधियों का विभागीय वार्षिक कैलेण्डर जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने एक नवाचार का सुझाव भी दिया कि इंडस्ट्री के संतुलित विकास के लिए उद्योग जगत से जुड़े हुए विशेषज्ञों, उद्योग संघों, संगठनों के साथ प्रदेश में सुव्यवस्थित, सरल और सुगम उद्योगीकरण की दिशा में विस्तृत विचार मंथन के लिये कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने जीआईएस-2025 की अब तक की तैयारियों एवं भावी रूप रेखाओं के बारे में पीपीटी प्रदर्शन के जरिए विस्तार से जानकारी दी।

इंदौर के लुटेरों का दिल्ली में शॉर्ट एनकाउंटर

कारोबारी पिता-पुत्र से लूटे थे 25 लाख के गहने; 80 से ज्यादा वारदातों में शामिल थे

इन्दौर। 11 नवंबर को इंदौर के तुकोगंज क्षेत्र में कारोबारी पिता-पुत्र के साथ 25 लाख के गोल्ड ज्वेलरी की लूट की हुई थी। इस वारदात में दो लुटेरों के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए थे। पुलिस ने उनकी पहचान और तलाश शुरू की। जांच में पता चला कि दोनों बदमाश दिल्ली के रहने वाले हैं। जब तुकोगंज पुलिस दिल्ली पहुंची, तो पता चला कि ये लुटेरे 80 से ज्यादा वारदात को अंजाम दे चुके हैं। दिल्ली पुलिस को भी इन लुटेरों की तलाश थी। रविवार सुबह पुलिस ने रोहित और रिंकू नाम के इन दोनों आरोपियों का शॉर्ट एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया है। टीआई जितेंद्र यादव ने बताया कि रेसकोर्स रोड पर रहने वाले व्यापारी कमलेश खंडेलवाल, उनके बेटे और पड़ोसी से लूटपाट करने के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। उनके हुलिये के आधार पर पुलिस ने रोहित और रिंकू की भूमिका की पुष्टि की। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बदमाशों के रास्ते पर जाल बिछाया। जैसे ही बदमाश इलाके में पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन रुकने की बजाय बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इस दौरान एक पुलिसकर्मी के बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

जहरीली गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत

भरूच (एजेंसी)।

अधिकारी ने बताया कि चारों कर्मचारियों को भरूच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जिनमें से तीन की रविवार तड़के करीब तीन बजे मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने सुबह छह बजे दम तोड़ दिया। गुजरात में भरूच जिले के दहेज स्थित एक रासायनिक संयंत्र में जहरीली गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। दहेज थाने के निरीक्षक बी.एम. पाटीदार ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे गुजरात 'फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल)' की एक उत्पादन इकाई में पाइप से जहरीली गैस के रिसाव के कारण कर्मचारी बेहोश हो गए। अधिकारी ने बताया कि चारों कर्मचारियों को भरूच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जिनमें से तीन की रविवार तड़के करीब तीन बजे मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने सुबह छह बजे दम तोड़ दिया।

उज्जैन में इटली, अमेरिका-पेरू के कपल ने लिए फेरे

उज्जैन। मध्यप्रदेश में इटली, अमेरिका और पेरू के 3 कपल ने सनातन रीति-रिवाज से शादी की है। उज्जैन में रविवार को फेरे लेकर सभी ने वरमाला पहनाई और कहा-%जीवन एक-दूसरे के साथ रहेंगे। इससे पहले शनिवार को विवाह की आधी रस्में निभाई गई। इंदौर में मेहंदी, हल्दी और महिला संगीत हुआ। जिसमें तीनों कपल ने जमकर डांस किया। रविवार को सभी उज्जैन के इंदौर रोड स्थित ग्राम नैनोरा पहुंचे। यहां परमानंद योग आनंदमय पीठ में सुबह 10.35 बजे से विवाह की रस्में शुरू हुई। पूजन होने के बाद तीनों कपल डारियो संग मार्टिना, इअन संग गेब्रियला और मॉरजिओ संग नेल्मास के फेरे हुए। अब तीनों कपल नव वर्ष के बाद 3 जनवरी को इंदौर से इटली लौट जाएंगे।

योग का प्रशिक्षण लेने आए थे, शादी कर लौटेंगे

तीनों कपल इंदौर के परमानंद इंस्टीट्यूट ऑफ योगा साइंस एंड रिसर्च इंडिया में योग प्रशिक्षण लेने इटली, अमेरिका और पेरू से आए थे। इंस्टीट्यूट में वे योग गुरुओं से समय-समय पर योग की कई क्रियाओं को समझने के साथ प्रैक्टिस करने लगे। इस दौरान उन्होंने भारतीय परंपरा, सनातन धर्म, पूजा-पाठ, त्यौहार, वैदिक पद्धति, विवाह पद्धति को लेकर गहनता से अध्ययन किया। यहां आने के बाद सभी ने वैदिक पद्धति से हिंदू नाम भी अपनाए हैं। तीन विदेशी युगल ने सनातन धर्म के अनुसार वैदिक पद्धति से विवाह करने का निश्चय किया था।

सृजन धारा

बाद गोपाल साहू जी अपनी धर्मपत्नी गीता के साथ आये. बाबूजी ! आप यहाँ पर आइए। अपनी बगल वाली सीट की ओर इशारा करते हुए शशांक बोला, और मम्मी, आप यहाँ पर बैठ जाइए सुरभि के पास. इधर-उधर की बातें करते हुए अपने फार्म हाऊस पहुँच गये. सात एकड़ की प्लॉट में सब्जी लगी थी.चहुँ ओर हरियाली व्याप्त थी. कार से उतरे. सभी घूमने लगे. बहुत खुश थे. चलते-चलते एक जगह खड़े हुए. गोपाल जी बोले, बहू ! सुरभि ! अब तो शशांक और तुम पर इसके देखरेख की जिम्मेदारी है. हम लोगों से अब नहीं हो पाएगा. जो भी करना है अब; तुम दोनों को ही करना है. गोपाल जी ने शशांक की ओर देखते हुए कहा. हाँ बाबूजी ! सुरभि बमुश्किल दो ही शब्द बोल पाई; और मुस्कुरा दी. लेकिन बाबूजी, पहले तो इतनी पैदावारी नहीं थी यहाँ. है ना माँ... ? पर अब तो इसकी उपज बहुत बढ़ गयी है.

हाँ.. हाँ... बेटा. इसका मूल कारण है, ताँदुला नदी का पानी. नदी की एक धारा यहीं से होकर बहती है. मेहनत के मुताबिक हमें कहाँ कुछ मिलता था पहले, पर अब ताँदुला की जलधारा ने हमारी किस्मत ही बदल दी. पूरे प्लॉट को नजर भर देखते हुए गोपाल जी बोले. हाँ शशांक. जब तुम छोटे थे तब यह सब नहीं था बेटा. इतनी हरियाली नहीं थी. ताँदुला के पानी का ही कमाल है यह सब. गीता बोली. घूमते और बातें करते हुए समय का पता ही नहीं चला. सूरज पश्चिम की ओर खिसक आया. वे लौटने ही वाले थे, तभी सुरभि ने शशांक को अँखियाया. आँखों ही आँखों में बात

हुई. शशांक को पहले अजीब लगा. फिर बोला, खैर, कोई बात नहीं. चलो घर चलते हैं. सभी कार के पास आए. नारीमन नयनों से ही नारीमन को बड़ी आसानी से पढ़ लेता है. तभी एक गंध भी आई. गीता सब समझ गई. उसने अपनी मन की बात गोपाल जी के कानों में डाल दी. सबको सब समझ आ गया. गीता बोली, ऐसी हालत में हम सब एक साथ घर नहीं जा सकते. सुरभि बेटा, तुम एक काम करो, जाओ फार्महाउस में. वहाँ पूरी सुविधा है. पहले नहा लो, फिर चलेंगे. ऐसे हम सभी एक साथ बैठकर घर नहीं जा सकते. हाँ शशांक...! तुम्हारी माँ ठीक कह रही है. कार से झाँकते हुए गोपाल जी बोले, जाओ तुम दोनों. हम दोनों कार पर हैं. सुरभि कुछ कहना तो चाहती थी, पर खामोश थी. शशांक सुरभि को देखते हुए कहा, बाबू जी, छोड़िए न यह सब. सुरभि घर में जाकर नहा लेगी. शाम हो गयी है. बहुत ठंड भी है. सुरभि की तबीयत भी उतनी अच्छी नहीं है.

नहीं बेटा, ऐसे समय तुरंत नहा लेना बहुत जरूरी है. गीता ने फुसफुसाया. माँ... कुछ नहीं होता ओ...! शशांक ने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा. सुरभि को भी यह सब अच्छा नहीं लग रहा था. पर क्या करती; चुप थी, बहू जो ठहरी. बेटा, मेरी सासू माँ तो... यानी तुम्हारी दादी मुझे तो किसी कमरे में घुसने तक नहीं देती थी ऐसी हालत में, पूछ लो अपने बाबूजी से. वह तो मुझे किसी चीज को छूने भी नहीं देती थी. हर चीज मुझे दूर से दिया करती थी.

मुझे तुरंत ही, किसी भी समय हो, नहाने को कहती. ना नुकुर करने पर एकदम भड़क जाती थी. यह समय होता ही है ऐसा बेटा. गीता की आवाज में थोड़ी तीव्रता थी. शशांक और सुरभि ने देखा कि बाबूजी माँ की बातों पर हाँ में हाँ मिला रहे हैं. बहुत देर तक बातें होती रही. अब तो सिंदूरी शाम को रात की कालिमा निगलती जा रही थी. कुछ देर तक अच्छी तरह सोच कर शशांक ने बोलना शुरू किया, बाबू जी ! माँ जी ! यह एक ह्यूमन बॉडी का नेच्युरल प्रोसेस है।

देखो बेटा, इस पर अधिक बातें करना व्यर्थ है। ये सब फिजूल की बातें हैं. इसे एक परम्परा ही समझ लो. अपना पल्लू सम्भालते हुए गीता बोली. तब तो यह परम्परा जरूर टूट जानी चाहिए माँ. बाबूजी ! एक बात बोल रहा हूँ मैं, फिर जो बोलना होगा आपको; बोलेंगे. पहले मेरी बातें सुन लीजिए. यह हमारी जो प्लॉट है न, बंजर हुआ करती थी पहले. आज कितनी उपजाऊ हो गई है. इसकी वजह आप जानते ही हैं. और वह है, ताँदुला नदी का पानी. ताँदुला की धारा ने ही हमारी तकदीर बदल दी है. यह प्रकृति की देन है बाबूजी. ताँदुला की जलधारा से इस पूरी कच्छार भूमि में नयापन आ गया है. माँ, प्रकृति की कोई भी प्रक्रिया अनावश्यक और व्यर्थ नहीं होती. आज हमारे इस बंजर धरती में एक नवसृजनात्मक परिवर्तन हुआ है. ठीक इसी प्रकार बाबूजी, मानव शरीर में आवश्यक प्राकृतिक प्रक्रिया है यह. हेय और हीन इससे दूर होने चाहिए. गोपाल जी बोलना तो चाहते थे बीच में, पर नहीं बोले. बार-बार चश्मे के काँच को सुहाफी से पोंछ रहे थे. गीता का मन कुछ बोलने को कर रहा था. बोली, वो सब अलग चीज है बेटा. नहीं माँ..! कुछ अलग नहीं है. एक ही बात है. समझती क्यों नहीं, आप तो एक औरत हैं. माँ, आपकी इसी प्रक्रिया से मैं पैदा हुआ हैं. अगर आप इस प्रक्रिया से नहीं गुजरतीं, तो मैं दुनिया में कैसे आता. शशांक की बातें सुनते ही गीता चुप हो गयीं. फिर गोपाल जी बोले, जितने देर से यह बात हो रही है, उतने समय में यह सब निपट जाता. अब तो शशांक रुकने वाला नहीं था, बाबूजी, दिस इज़ एन इम्पॉर्टेंट फिज़िकल प्रोसेस ऑफ ह्यूमन बॉडी. बाबूजी, यह एक ऑस्पिसियस प्रोसेस है. अब जमाने की बात गई. जब ट्रेडिशन इज़ नॉट गोइंग एकॉर्डिंग टू मॉडर्न टाईम, दैन इट इज़ काल्ड कॉन्जरवेटिएम. यूँ कहें, बलाइंड फैथ. तभी गोपाल जी

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला

बोले, इस पीरियड का जिक्र तो धर्म भी करता है. इसे अच्छा नहीं माना जाता बेटा. गाँव-देहात में तो और यादा. शशांक तुरंत बोला, पता नहीं लोग इसके बारे में तरह-तरह की बातें क्यों करते हैं ? सब दकियानूसी बातें हैं ये. बाबूजी यह एक प्रोसेस है. और धर्म को हम मानने वाले इससे गुजरे बिना कैसे और कहाँ से आ गये. मालूम नहीं, लोग इसके पीछे इतनी सारी धारणाएँ क्यों बना लेते हैं. एक बात और है माँ, यह वो प्रक्रिया है, जिससे उठने वाली गंध के बारे में आप बोल रही हैं न. इसी गंध से पूरा मानवसमाज रूपी बगिया महकती है. यह वह सुवर्णवर्ण पवित्र धारा है बाबूजी, जिससे पूरे संसार का सृजन होता है. इसके बिना तो दुनिया की परिकल्पना सम्भव ही नहीं है. सॉरी बाबूजी. माफ करना माँ. मैंने आज बहुत अधिक बातें कर दी आज. मुझसे रहा नहीं गया. शशांक का बोलना बंद हुआ. सुरभि को भी अच्छा नहीं लग रहा था। चुपचाप खड़ी थी।

गोपाल जी और गीता हल्के कदमों से बाँड्रीवाल की ओर गए. दोनों के बीच कानाफूसी हुई. झट से दोनों वापस आए। गोपाल जी कार पर बैठ गए. अपना सीटबेल्ट कसते हुए बोले, सुरभि बेटा ! आओ, चलो, रात हो रही है. शशांक आओ, स्टार्ट कारो गाड़ी. फिर गीता सुरभि के पास आई. उसकी उँगली पकड़ी. कार में अपने पास बिठाई. मुस्कुराती हुई बोली, मुझे बहुत जल्दी दादी बननी है। क्यों, तुम्हारी क्या राय है सुरभि ? देर नहीं होनी चाहिए... न..न..न...! सुरभि भी मुस्कुरा दी. सबका चेहरा खिल उठा. कार चल पड़ी.

कर्मठ ,जुझारू, युवा, हृदय सम्राट माननीय

भगवान ना करें इस दुनिया में किसी का कोई ना रहे। क्योंकि किसी के नहीं रहने का दुख बहुत बड़ा होता है। लेकिन कुछ लोगों के कर्म करतूत ऐसे होते हैं कि उनके अपने उन्हें लात मार कर भरी दुनिया में अकेला कर देते हैं। वह भी बेचारे क्या करें कुछ औलादे नासपीटे ऐसी ही होती है की कहीं भी मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ती है। गांव, टोला, समाज सबसे गालियां खिलवाती हैं ।और जब गांव समाज टोला की सहन करने की सीमा समाप्त हो जाती है। तो मजबूर होकर ऐसे लाल को लात मार कर घर से बाहर समाज से बाहर किया जाता है । ऐसे ही एक लाल है %मंटू %उन्हें उनके परिवार तो छोड़िए मोहल्ले तक वालों ने वार्निंग दे रखी है कि कभी इधर दिखाई नहीं पड़ना नहीं तो कोई भी हड्डी पसली अपनी जगह पर सही सलामत नहीं मिलेगी। गैर सरकारी रूप से वह अपने मोहल्ले के तड़ीपार हैं।

मोहल्ले वाले भी क्या करें शरीफों का मोहल्ला था लेकिन किसी की ऐसी बहन बेटी नही बची थी। जिसके ऊपर मंटू ने अपनी इश्क मिजाजी तबीयत की नजरे इनायत नहीं की थी। या आजमाने की कोशिश नहीं किया था यह अलग बात है कि हर जगह से उन्हें दुत्कार मिली। मोहल्ले के नए होते जवान लड़कों को उम्र से पहले जवान करने की शिक्षा देने का तो जैसे मंटू ने बीड़ा ही उठाया हो ।और सारे नशे तो नए लड़कों को मुफ्त में ही सिखाना अपना फर्ज समझते हो। और बेचारे नए लड़के जिन्हें ढंग से घर में खाना खाने की भी तमीज नहीं होती थी उन्हें भांग, गांजा, पुड़िया बड़े तमीज से बड़ों को परोस कर उसके बाद अपने खाना सीखाते हैं। मोहल्ले का कोई दुकानदार ऐसा नहीं था जिसके वही खाते में मंटू विराजमान ना हो।

व्यंग्य

अरण्यरोदन

लेकिन इतने सबके बावजूद भी सबने अपने कलेजे पर पत्थर रखकर समाज हित में मंटू को मोहल्ला निकाल दिया था। आप नहीं समझेंगे यह छोटी-छोटी कुर्बानियों से ही देश बड़ा बनता है। अब आप देख लीजिए एक माल वाला आपको अठन्नी भी उधार नहीं देता है। और कहां यह ठेले खोमचे वाले गरीब अपना बहीखाता का सारा कर्जा समाज हित में माफ करने और भूल जाने को तैयार थे। खैर मंटू को तड़ीपार तो कर दिया पर उसकी मां का दिल दुनिया के दबाव में घर से धक्का देते हुए भी जेब में चुपके से कुछ रुपए ठुंस दिए। कि बेटा कुछ दिन के लिए भोजन पानी तो कर लेगा । अब यह अलग बात है कि उनके लायक औलाद ने उसे पैसे का भोजन पानी करने के बजाय नशा पानी करने के लिए सदुपयोग किया। पर मां के दिल का क्या करें उसे तो कम से कम आत्म संतुष्टि हुई। निकल जाने के बाद और तड़ीपार हो जाने के बाद वही हुआ जो अक्सर होता है । जिसका कोई नहीं होता है उसका रेलवे का प्लेटफार्म और फुटपाथ होता है। लेकिन सरकार ने प्लेटफार्म टिकट महंगा करके ऐसी सुविधा से अब लोगों को वंचित कर दिया है। आम आदमी के लिए प्लेटफॉर्म टिकट लेना महंगा लगता है ।तो घर से निकाले मंटू के लिए बहुत ज्यादा महंगा था। दो चार रातें फुटपाथ पर सहारा मिल गया। फिर शहर में चुनाव का सीजन चल रहा था तो चुनावी स्थान सबसे मुफ़ीद लगे। दरी बिछाते -बिछाते पोस्टर लगाते-लगाते खाते- पीते पता नही कब नेताजी के निकट पहुंच गए मंटू को भी पता नहीं चला । फिर वही हुआ जो होता है नेताजी के मेहरबानी से बिल्ली के भागो छींका टूट गया । और टिकट मिल गया और समर्थन के वजह से चुनाव भी जीत गए ।

अब मंटू जी कर्मठ, जुझारू और युवा हृदय सम्राट नेता है। अब वह संसद में बैठेंगे और वह उन सभी का भविष्य लिखेंगे जिन्होंने उनका भविष्य लिखने की जुर्रत की थी । और उनका भी भविष्य लिखेंगे जिन्होंने उनके हिस्से में फुटपाथ और प्लेटफॉर्म मुहैया करवाया था। आज उनके ही मोहल्ले में उनकी विजय यात्रा जुलूस निकालने वाला है। ट्रक से गुलाब के फूल मोहल्ले में पहले ही पहुंचा दिया गया है। ताकि उनके ऊपर बरसाया जा सके। अब वह खाली मंटू नहीं है अब मंटू भैया जी हैं । जिनको देखकर लोगों का जी जलता था ।अब वही उनके आगे भी जी लगाएंगे और पीछे भी जी लगाएंगे । और उनके साथ बैठकर लुच्चाई करने वाले चेले चपाटे सारे शहर के ठेके चलाएंगे ।बोलिए कर्मठ, जुझारू और युवा हृदय सम्राट की जय।

रेखा शाह आरबी
बलिया(यूपी)

अवयस्क बालिका के अपहरण और अनेक बार बलात्संग के प्रकरण में आरोपी बरी

इन्दौर (नप्र)। पास्को एक्ट की विशेष न्यायाधीश श्रीमती रश्मि वाल्टर द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 363, 366, 376(2N) भारतीय दंण्ड संहिता एवं धारा 5 एल/6 लैंकिग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के महत्वपूर्ण और बहुचर्तित प्रकरण में आरोपी पप्पू उर्फ राज दरियाब को बरी किया गया। अभियोजन की कहानी के अनुसार, आरोपी जो कि एक गरीब दिहाडी महदूर है ने फरवरी 2022 में दिन दहाडे अवयस्क बालिका का अपहरण किया और उसे नावदापंथ ले गया वहां उसके साथ अनेकों बार बलात्संग किया गया। प्रकरण में अभियोजन की और से पीडिता एवं उसकी माता, चिकित्सक साथी विशेषज्ञ साक्षी व स्वतंत्र साक्षी सहित9 साक्षी एवं 19 दस्तावेज प्रस्तुत किये जिसमें एफ.एस.एल. रिपोर्ट, नक्शा मौका, आरोपी तथा पीडिता की मेडिकल रिपोर्ट व पीडिता के स्कूल के दस्तावेज भी सम्मिलीत थे प्रस्तुत किये गये थे । परन्तु उक्त सभी साक्षी भी अभियोजन की कहानी को प्रमाणित नहीं कर सके । आरोपी अधिवक्ता श्री बाथम के प्रतिपरिक्षण के समक्ष पुलिस साक्षी, चिकीत्सक साक्षी विषेषज्ञ सक्षी साक्षी कोई भी टिक न सका, आरोपी द्वारा कोई बचाव साक्ष भी प्रस्तुत नहीं किया गया था । आरोपी अधिवक्ता श्री पंकज बाथम ने प्रतिपरिक्षण के दौरान पीडिता के अवयस्क होने को संदिग्ध कर दिया, साथ ही आरोपी व पीडिता का पुराना परिचय होना तथा एक ही परिसर में काम करना तथा पीडिता द्वारा स्वेच्छा से आरोपी के साथ जाना एवम् अरोपी के साथ स्वेछा से सम्बन्ध बनाना प्रमाणित किया। श्री बाथम अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत प्रतिपरिक्षण एवं अकाटय तर्क के आधार पर तथा उनके द्वारा प्रस्तुत न्यायदृष्टांत के आधार पर अंततः न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषमुक्त किया गया। प्रकरण में आरोपी की ओर से पैरवी श्री पंकज बाथम एडव्होकेट द्वारा की गयी और आरोपी को निर्दोष साबित कर बरी कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । यह भी उल्लेखनीय है कि एडव्होकेट पंकज बाथम को मेडिकल ज्यूरिस्पिडेंस एवं मेडिकल टर्मिनोलाजी का व्यापक ज्ञान है, जिसका उपयोग उनके द्वारा प्रतिपरिक्षण के दौरान किया गया ।

स्कूली मित्रों ने किया मित्र मिलन समारोह आयोजित

इन्दौर (नप्र)। फोर्टी प्लस हैंडसम ग्रुप के सदस्यों ने साल 2024 के अंतिम सप्ताह में मिलन समारोह आयोजित कर सेलिब्रेशन किया । महात्मा गांधी शासकीय स्कूल मंडलेश्वर से तीन दशक पूर्व पढ़ाई करके बाहर निकले छात्र देश दुनिया में फैले हुए है ।

चार वर्ष पूर्व इन छात्रों ने परिवार सहित इकट्ठा होकर मिलन समारोह मानने की शुरुआत की थी । ग्रुप के एडमिन तैयब अली के अनुसार इस वर्ष इस समूह का यह तीसरा आयोजन था । सबकी सहमति से यह आयोजन इस वर्ष इंदौर से हातोद मार्ग पर पितृ पर्वत के नजदीक एन एच 3 किचन में धूमधाम से मनाया गया । सभी मित्रगण पत्नियों सहित दोपहर एक बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे । युगल व्यास ने कहा कि भोजन के बाद सभी नजदीक स्थित लोटस वेली गुलावत में फोटो शूट के लिए पहुंचे । फूलों से सजी सायकिल , पेड़ो के तनों से सटकर करीने से बांधे गए झूलो , बांस के पेड़ों की झुरमुट एवं घास फूस से बने मचानों पर सभी ने एकल एवं सामूहिक फोटो शूट किए ।दीपक उपाध्याय के अनुसार कोहरे से भरी सर्द हवाओं वाली शाम में एन एच 3 किचन पर हाई टी का आनंद लेने के बाद गीत संगीत की महफिल रात 10 बजे तक बिना रुके चली । अखिल गोखले ने किशोर दा के सदाबहार गीत चलते चलते मेरे ये गीत याद रखना कराओके पर गाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया । खई के पान बनारस वाला , तुनक तुनक तुन ताना ना ना , हो गई तेरी बल्ले बल्ले आदि गीतों पर मनोज शर्मा , इंद्रेश नागर , आशीष दुबे , अविनाश जैन , पीयूष जैन , प्रदीप चौहान आदि थिरकते रहे । कोयले और लकड़ी की सिगड़ियों में जलते अलाव के बीच गरमा गर्म खाने का जायका लेने के बाद रात ग्यारह बजे सभी मित्रगण एन एच 3 किचन से अपने अपने गंतव्य की और रवाना हो गए । संतोष चौहान अखिलेश शर्मा ने बताया कि नव वर्ष के आगाज पर भी मित्र मंडल की ऐतिहासिक स्थल मांडू जाने की योजना प्रस्तावित है जिसे सबकी सहमति मिलने पर मूर्त रूप दिया जाएगा ।

240 स्कूली बच्चों को अभ्यारण्य की सैर कराएगा वन विभाग

इन्दौर। वन विभाग नए साल में, स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोडने और उन्हें वन्य जीवों का महत्व समझाने के लिए रालामण्डल की पहाड़ी पर अनुभूति कैम्प लगाने जा रहा है । यह दोनों कैम्प नए साल के पहले और दूसरे सप्ताह में लगाए जाएंगे। इसके लिए स्टूडेंट्स का चयन भी कर लिया है । रालामण्डल अभ्यारण्य एसडीओ योहान कटारा ने बताया कि 8 से 12 क्लास के स्टूडेंट्स के लिए रालामण्डल पहाड़ी पर 2 अनुभति शिविर लगाने जा रहे है। यह अनुभूति कैम्प 4 जनवरी और 9 जनवरी को लगाए जाएंगे। इस दौरान स्टूडेंट्स को अभ्यारण्य की सैर कराई जाएगी।

मेडिटेशन न सिर्फ हमारे जीवन को श्रेष्ठ बनाता है वरन आयु में भी वृद्धि करने में सक्षम होता है

इन्दौर (नप्र)। मेडिटेशन न सिर्फ हमारे जीवन को श्रेष्ठ बनाता है वरन हमारी आयु में भी वृद्धि करने में सक्षम होता है। हमारे शरीर में खरबों कोशिकाएं होती है प्रत्येक कोशिका में क्रोमोजोम होता है इन क्रोमोजोम की एक पूंछ होती है जिसे टेलोमेयर कहते है। जैसे जैसे उम्र बढ़ती जाती है इन क्रोमोजोम की कॉपियां बनती जाती है और इनके टेलोमेयर की साइज छोटी होती जाती है लंबाई कम होती जाती है। जो हमारी आयु को और घटाती जाती है। प्रतिदिन ध्यान करने से इस टेलोमेयर की लंबाई घटती नहीं है इसके घटने की गति कम होती जाती है और हम अपनी एजिंग को रोक पाने में सक्षम

होते जाते है। वृद्धावस्था की और जाना रुकने लगता है। ये बातें अंतर्राष्ट्रीय योग एक्सपर्ट योगी मनोज गर्ग ने योग टेंपल आयुर्वेद पंचकर्म एवं नेचुरोपैथी सेंटर पर आयोजित संकल्प ध्यान सत्र में उपस्थित साधकों को बताई। आपने बताया कि प्रतिदिन सही तरीके से 15 मिनिट किया गया ध्यान हमारे कन्फ्यूजन और कॉम्प्लिकेशन को हटाकर हमारे माइंड, पर्सनालिटी और बिहेवियर को कूल, कॉम, कैपेबल, चार्मिंग, चीयरफुल, कार्डियल, कॉन्विवियल, कंसीडरेट, कॉन्फिडेंस, कमिटेड, कंपेशनेट, और कोऑपरेटिव बनाते हुए कंसट्रेशन लेवल को बढ़ाकर ब्रेन के कोऑर्डिनेशन, कंट्रोल और कमांड को सुचारू करता है और हमारे कॉग्निटिव बिहेवियर को भी संचालित करता है। इसी तरह ध्यान से हृदय की धड़कन, पल्स रेट, लो या हाई बीपी, ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, डायबिटीज, मानसिक तनाव, क्रोध, चिड़चिड़ाहट, डिप्रेशन, कुंठा, निराशा आदि रोगों में भी बहुत ही लाभ प्राप्त होता है। योगी मनोज गर्ग ने उपस्थित साधकों को आने वाले वर्ष 2025 के लिए उत्तम स्वास्थ्य हेतु प्रतिदिन आयुर्वेद, योग, प्राणायाम और ध्यान फॉलो करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में शहर के अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे।

हर माह शहर में हुई 5 लोगों की हत्या

इंदौर। शहर में पुलिस कमिश्नरी लागू होने के बाद भी अपराधों में कोई कमी नहीं देखने को मिल रही है। शहर में हर माह 5 हत्याए हुई हैं। अब तक 60 हत्याएं हो चुकी हैं और तीन दिन शेष हैं। इस साल हत्या का ग्राफ भी बढ़ा है। पिछले साल से 10 अधिक हत्याएं इस साल हुई है। कुछ मामलों में पुलिस खाली हाथ है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार नवम्बर माह तक साल 2022 में शहर में 68 हत्याएं हुई थीं, जबकि 2023 में केवल 45 हत्याएं दर्ज हुई थीं। इस साल अब तक 57 हत्याएं हुई हैं। इस माह भी शहर में तीन हत्याएं अब तक हो चुकी हैं। इनको मिलाकर इस साल शहर में 60 हत्याएं हो चुकी हैं, जो पिछले साल से ज्यादा है। इनमें से कुछ मामलों में पुलिस अभी तक खाली हाथ है।

मेडी-केप्स में गणित सप्ताह का आयोजन

इन्दौर (नप्र)।

मेडी-केप्स विश्वविद्यालय इंदौर में 23 से 27 दिसंबर तक 5 दिवसीय गणित सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य गणित के महत्व को बढ़ावा देना और छात्रों में गणितीय ज्ञान को बढ़ावा देना था। इस दौरान विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। 23 दिसंबर 2024 को माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.)डी. के पटनायक , उपकुलगुरु प्रो. (डॉ.) डी. के पांडा एवं अधिष्ठाता विज्ञानं,डॉ. ए.ए. कोसर ने गणित के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पांच दिवसीय गणित

सप्ताह कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संयोजक डॉ. प्रांजलि केकरे ने पांच दिवसीय कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया कि विभिन्न विशेषज्ञों जैसे कि डॉ. वी.के. गुप्ता, डॉ. पूनम गुप्ता, प्रो. रवि असरानी एवं डॉ. अनूपम जैन द्वारा वैदिक गणित, प्राचीन गणित और महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन पर व्याख्यान दिए गए, तत्पश्चात प्रो. रवि असरानी ने कैलकुलस में वैदिक गणित के अनुप्रयोग, विषय पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रीनिवास रामानुजन की जीवनी पर आधारित फिल्म का आयोजन किया गया, तथा 25 दिसंबर को रामानुजन पर आधारित क्विज एवं क्रिएटिव पावर ऑफ नंबर्स पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। 26 और 27 दिसंबर को तीन व्याख्यानों का सफलतापूर्वक आयोजन गणित विभाग द्वारा किया गया। पांच दिवसीय कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जिसमें गणित विभागाध्यक्ष डॉ. रिंकू वर्मा ने सम्मानीय कुलाधिपति श्री आर .सी मित्तल, विशेष कर्तव्य अधिकारी. श्री पलाश गर्ग, ब्रान्डिंग और प्रमोशन निर्देशक सुश्री सलोनी गर्ग, माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.)डी. के पटनायक , उपकुलगुरु प्रो. (डॉ.) डी. के. पंडा, अधिष्ठाता विज्ञानं, डॉ. ए.ए. कोसर, संयोजक डॉ. प्रांजलि केकरे, सह-संयोजक डॉ. कीर्ति आचार्य और पूरे आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे जो छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक रहेंगे।

अब चन्दन नगर से महूनाका तक बनेगी 150 फीट चौड़ी नई सडक़

इन्दौर। चन्दन नगर थाने से लेकर महूनाका कन्या स्कूल तक बनने वाली एमआर-6 सडक के लिए स्मार्ट सिटी ने कुछ हिस्सों में निर्माण के लिए टेन्डर जारी किए है। मुख्य मार्ग से यातायात का दबाव कम करने के लिए यह सडक़ थाने के समीप से चांदमारी ईंट भट्ठा समाजवादी इंदिरा नगर होते हुए महूनाका कन्या स्कूल तक 150 फीट चौड़ी बनाएंगे। मास्टर प्लान की यह सडक पहले दौर में 600 मीटर के हिस्से में बनेगी। शहर के अन्य हिस्सों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। नगर निगम द्वारा मास्टर प्लान के तहत चन्दन नगर थाने से लेकर महूनाका चौराह्य तक की सडक़ को लेकर पहले भी मौके निरीक्षण और सर्वे के कार्य हुए हैं। इसके बाद पूरा प्रोजेक्ट तैयार किया गया था। और इस सडक़ को एमआर-6 का नाम दिया गया है। महूनाका से गंगवाल और धार रोड से यातायात का दबाव कम करने के लिए यह प्लानिंग की गई और पुरानी बस्तियों से सडक़ निकालने का प्लान तैयार किया गया था। निगम अधिकारियों के मुताबिक सडक़ के लिए 150 से 200 मकान दुकान की बाधाएं है, जिन्हें पूर्व में ही चिन्हित कर लिया गया था। यह सडक़ चन्दन नगर से चांदमारी भट्ठा, समाजवादी इन्दिरा नगर होते हुए महूनाका के कन्या विद्यालय के पास तक बनेगी। इसके लिए पहले दौर में 600 मीटर के हिस्से में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट द्वारा सडक़ निर्माण कार्य कराया जाएगा और इसके लिए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट ने आज टेन्डर भी जारी कर दिए है। स्मार्ट सिटी के कार्यपालन यंत्री दिव्यांक सिंह ने बताया कि इनमें से जिन स्थानों पर पहले दौर में सडक़ निर्माण कार्य शुरू होना है, वहां साइड क्लीयर है और वहां किसी प्रकार की कोई बाधाएं नहीं होने के कारण काम तेजी से शुरू करवाया जाएगा।

जीवन में सदैव परमात्मा को प्राप्त करने की इच्छा रखों : राष्ट्र संत नमन वैष्णव

स्व. महेन्द्रसिंह कालूखेड़ा गौशाला तालीदाना पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन हुआ श्रीकृष्ण जन्म

जावरा। जीवन में अगर कुछ प्राप्त करने की भावना रखना है,तो परमात्मा को प्राप्त करने की इच्छा करना चाहिए।

क्योंकि जो मनुष्य देह प्राप्त हुआ हैं केवल मात्र भगवत प्राप्ति के लिए हुआ हैं, लेकिन मानव परमात्मा की प्राप्ति के अलावा सब कुछ कर रहा हैं, क्योंकि मैं (अहम) दिक्कत कर रहा हैं। जब अहम मन से खत्म होगा तब ही मानव परमात्मा प्राप्ति की ओर अग्रसर होगा। यह बात राष्ट्रसंत नमन वैष्णव ने स्व. महेन्द्रसिंह कालूखेड़ा गौशाला तालीदाना पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए कहीं। राष्ट्रसंत ने कहा कि भागवत कथा नर से नारायण बनने की कथा है। आत्मदर्शन, आत्मस्वरुप का दर्शन भागवत कराती हैं। हम अपनी प्रतिष्ठा को जमाने में जमाने के लिए लगे हुए हैं। हमें अपनी प्रतिष्ठा संसार में स्थापित करने की जगह मानव को अपने हृदय में परमात्मा की प्रतिष्ठा मन में स्थापित करनी चाहिए। ब्रह्म सत्य, जगत मिथ्या, मिथ्या का अर्थ झूठ मिथ्या का वास्तविक स्वप्न हैं। मनुष्य जागृत नहीं हैं, मनुष्य मृत्यु पर्यंत मिथ्या स्वप्न में रहता हैं । ब्रह्म प्राप्ति के मनुष्य को यत्न करना चाहिए। ये जीवन निरर्थक नहीं जाना चाहिए। ब्रह्म प्राप्ति में मानव जीवन सार्थक होना चाहिए। परीक्षित जैसा धर्मात्मा इस संसार में न हुआ हैं न होगा, क्योंकि इस पृथ्वी पर परीक्षित ही मात्र ऐसे हुए जिनको इस संसार में आने से पूर्व अपनी माता के गर्भ में ही ज्ञान प्राप्त हो गया था एवं उनकी मृत्यु कब होगी इसका पता चल गया। उनके अलावा संसार के किसी भी प्राणी को पता नहीं चल पाया कि उसकी मृत्यु किस दिन होगा।

इन्होने लिया पौथी पूजन और आरती का लाभ

गौशाला अध्यक्ष गजराजसिंह (गज्जु बना) ने बतायाकि कथा के चतुर्थ दिवस श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। चौथे दिन संत गौशरण महाराज की उपस्थिति रही। कथा के यजमान राजेश भाटी पंचेवा रहे। आरती का लाभ गौशाला संरक्षक के.के.सिंह कालूखेड़ा, संदीप सिंह राठौर पिपलियामंडी, विजय गुर्जर मंदसौर, श्याम गुर्जर, गुलाब सिंह गुर्जर रणायरा गुर्जर, महावीरदास बडायाला माताजी, धुलचंद पाटीदार मामटखेड़ा ने लिया। चतुर्थ दिवस कथा में विशेष अतिथि भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जावरा राजेश शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ हमीरसिंह राठौर जावरा, समाजसेवी निर्मलसिंह सोलंकी ऊपरवाड़ा, माखनसिंह राणावत अयाना, डॉ दिलीप शाकल्य जावरा, कान्ह सिंह चौहान जावरा, सुधीर कोचट्टा, नेपाल सिंह पंवार पेट्रोल पंप संचालक मामटखेड़ा, सत्येंद्र जोशी, नरदेव शर्मा, अमित मोदी, सुमित मोदी जावरा, राघवेंद्र पालीवाल, धीरज शर्मा, गोवर्धनदास, योगेश रतलाम, मनोज भट्ट, मोहित भट्ट ताल, नवेली गौशाला अध्यक्ष राजेश कियावत, कोषाध्यक्ष पुखराज भंडारी, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र माथुर, कामधेनु गौशाला ढोढर अध्यक्ष भंवरलाल माली एवं समिति सदस्य रहे।

एमपीआरडीसी के खिलाफ बच्चे भी पहुंचे धरनास्थल, सस्था इंसानियत ने भी दिया समर्थन

मामला जोयो तिराहे से भुतेड़ा तक प्रस्तावित सात ओवहरब्रिज का

जावरा। जावरा से उज्जैन के बीच प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सेस कन्ट्रोल हाइवे के तहत भुतेड़ा से जोयो होटल के सात किलोमीटर के दायरे में बनने वाले सात ओव्हरब्रिज के विरोध में आज क्षेत्र के प्रभावित दुकानदारों, व्यापारियों के बच्चे भी जन संघर्ष समिति के धरनास्थल पहुंचे और एमपीआरडीसी के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने शासन-प्रशासन से मार्मिक अपील की कि बसे बसाए व्यापार-व्यवसाय को उजाड़ा नहीं जाए। हमारे सामने भूखों मरने की नोबत आ जायेगी।

संस्था इंसानियत ने भी दिया समर्थन

इस बीच नगर की सामाजिक संस्था इंसानियत ने भी समिति को अपना समर्थन देते हुए हरसंभव सहयोग का वादा किया। रविवार दोपहर करीबन 2 बजे जोयो तिराहे के समीप आयोजित धरनास्थल पहुंचे क्षेत्र में रोजगार से जुड़े लोगों के बच्चों ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थी। जिन पर रोड़ का विकास हो रहा तो हमारा विकास क्यों रुक रहा, मुख्यमंत्री जी हमारा भविष्य बचाइये, मेरे पापा की दुकान मत लो, रोड़ ऊंची क्यों बना रहे रोजगार मर जायेगा जैसे नारे लिखे गए थे। बच्चों के साथ ही क्षेत्र का दिव्यांग किसान राजेश धाकड़ भी हाथ में एक कागज का टुकड़ा थामे नजर आया। जिस पर लिखा था मैं तो दिव्यांग हुं मेरे परिवार को दिव्यांग क्यों बना रहे। इस दौरान संस्था इंसानियत के एडवोकेट वरुण क्षोत्रिय, अजय श्रीवास्तव, कवरलाल पाटीदार, अशोक पाटीदार, कृष्णा अखेड़िया, अन्नपूर्णा पवार, रिजवान पठान, आबिद खान, मेहबूब मंसूरी, शाहसेद खान, लखन धाकड़ आदि मौके पर पहुंचे और भुतेड़ा से जोयो तिराहे तक निर्मित होने वाले ब्रिज का विरोध जताते हुए समिति को समर्थन दिया। इतना ही नहीं इस संस्था के सदस्यों ने यहां आए बच्चों का पुष्पहार पहना कर स्वागत किया। साथ ही जन संघर्ष समिति के सदस्यों का भी फूलमालाओं से अभिनन्दन कर उनकी हौंसलाअफजाई की। इस अवसर पर समिति के असलम मेव, सुनील पोखरना, जगदीश सोलंकी, मनोज मेहता, सुरेश धनोतिया, रमेश धाकड़, धर्मेंद्रमाली ओसवाल, मांगीलाल विजवा, आरिफ भाई, हब्बू भाई, अब्दुल भाई मेव सहित कई लोग मौजूद रहे।

समाज के 15 मंडलों के महंत की उपस्थिति में हुआ पौधारोपण

जावरा। दशनाम गोस्वामी समाज मण्डल सुखेड़ा पिपलौदा के ग्राम शेरपुर में आज भंवरगिरि, (पूर्व मण्डल अध्यक्ष), गोपाल गिरि, गणेश गिरि की पूज्यनीय माताजी गीता बाई गोस्वामी का विशाल भंडारा किया गया जिसमें निवास स्थान से जुलुस आतिशबाजी के साथ समाधी स्थल पहुँचा जहाँ समाधी पूजन के पश्चात समाधिस्थल पर वृक्षारोपण का पुनीत कार्य भी गोस्वामी परिवार द्वारा किया गया। एवं सभी मण्डल के महन्तो का सम्मान किया गया जिसमें समाज के 15 मण्डल के महन्त उपस्थित हुए। जिसमें दिलीपपुरी पिपलौदा, भेरू गिरी एलची, प्रदीपगिरी नयानगर, भंवरगिरी घटला, श्यामगिरी पडुनी, दयालगिरी, अर्जुनपूरी रूपावली, मुकेश गिरी नारायण गढ, शिव भारती खाचरौद, किशोर गिरी जालीनेर, कैलाश गिरी नाहरगढ, मोहन गिरी तुम्बडकाटा, कैलाश गिरी चायडा मन्नुपुरी बदनावर, राधुगिरी, कैलाश गिरी, गोपाल गिरी शेरपुर, संजय पुरी, मदनपुरी पिपलौदा, किशोर गिरी, मंगलगिरी, जगदीश गिरी, संतोष गिरी रुनीजा सहित बड़ी संख्या में समाज के सभी लोग उपास्थित हुए।

जीवन में सदैव परमात्मा को प्राप्त करने की इच्छा रखों : राष्ट्र संत नमन वैष्णव

स्व. महेन्द्रसिंह कालूखेड़ा गौशाला तालीदाना पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन हुआ श्रीकृष्ण जन्म

जावरा। जीवन में अगर कुछ प्राप्त करने की भावना रखना है,तो परमात्मा को प्राप्त करने की इच्छा करना चाहिए।

क्योंकि जो मनुष्य देह प्राप्त हुआ हैं केवल मात्र भगवत प्राप्ति के लिए हुआ हैं, लेकिन मानव परमात्मा की प्राप्ति के अलावा सब कुछ कर रहा हैं, क्योंकि मैं (अहम) दिक्कत कर रहा हैं। जब अहम मन से खत्म होगा तब ही मानव परमात्मा प्राप्ति की ओर अग्रसर होगा। यह बात राष्ट्रसंत नमन वैष्णव ने स्व. महेन्द्रसिंह कालूखेड़ा गौशाला तालीदाना पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए कहीं। राष्ट्रसंत ने कहा कि भागवत कथा नर से नारायण बनने की कथा है। आत्मदर्शन, आत्मस्वरुप का दर्शन भागवत कराती हैं। हम अपनी प्रतिष्ठा को जमाने में जमाने के लिए लगे हुए हैं। हमें अपनी प्रतिष्ठा संसार में स्थापित करने की जगह मानव को अपने हृदय में परमात्मा की प्रतिष्ठा मन में स्थापित करनी चाहिए। ब्रह्म सत्य, जगत मिथ्या, मिथ्या का अर्थ झूठ मिथ्या का वास्तविक स्वप्न हैं। मनुष्य जागृत नहीं हैं, मनुष्य मृत्यु पर्यंत मिथ्या स्वप्न में रहता हैं । ब्रह्म प्राप्ति के मनुष्य को यत्न करना चाहिए। ये जीवन निरर्थक नहीं जाना चाहिए। ब्रह्म प्राप्ति में मानव जीवन सार्थक होना चाहिए। परीक्षित जैसा धर्मात्मा इस संसार में न हुआ हैं न होगा, क्योंकि इस पृथ्वी पर परीक्षित ही मात्र ऐसे हुए जिनको इस संसार में आने से पूर्व अपनी माता के गर्भ में ही ज्ञान प्राप्त हो गया था एवं उनकी मृत्यु कब होगी इसका पता चल गया। उनके अलावा संसार के किसी भी प्राणी को पता नहीं चल पाया कि उसकी मृत्यु किस दिन होगा।

इन्होने लिया पौथी पूजन और आरती का लाभ

गौशाला अध्यक्ष गजराजसिंह (गज्जु बना) ने बतायाकि कथा के चतुर्थ दिवस श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। चौथे दिन संत गौशरण महाराज की उपस्थिति रही। कथा के यजमान राजेश भाटी पंचेवा रहे। आरती का लाभ गौशाला संरक्षक के.के.सिंह कालूखेड़ा, संदीप सिंह राठौर पिपलियामंडी, विजय गुर्जर मंदसौर, श्याम गुर्जर, गुलाब सिंह गुर्जर रणायरा गुर्जर, महावीरदास बडायाला माताजी, धुलचंद पाटीदार मामटखेड़ा ने लिया। चतुर्थ दिवस कथा में विशेष अतिथि भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जावरा राजेश शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ हमीरसिंह राठौर जावरा, समाजसेवी निर्मलसिंह सोलंकी ऊपरवाड़ा, माखनसिंह राणावत अयाना, डॉ दिलीप शाकल्य जावरा, कान्ह सिंह चौहान जावरा, सुधीर कोचट्ट, नेपाल सिंह पंवार पेट्रोल पंप संचालक मामटखेड़ा, सत्येंद्र जोशी, नरदेव शर्मा, अमित मोदी, सुमित मोदी जावरा, राघवेंद्र पालीवाल, धीरज शर्मा, गोवर्धनदास, योगेश रतलाम, मनोज भट्ट, मोहित भट्ट ताल, नवेली गौशाला अध्यक्ष राजेश कियावत, कोषाध्यक्ष पुखराज भंडारी, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र माथुर, कामधेनु गौशाला ढोढर अध्यक्ष भंवरलाल माली एवं समिति सदस्य रहे।

एमपीआरडीसी के खिलाफ बच्चे भी पहुंचे धरनास्थल, सस्था इंसानियत ने भी दिया समर्थन

मामला जोयो तिराहे से भुतेड़ा तक प्रस्तावित सात ओवहरब्रिज का

जावरा। जावरा से उज्जैन के बीच प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सेस कन्ट्रोल हाइवे के तहत भुतेड़ा से जोयो होटल के सात किलोमीटर के दायरे में बनने वाले सात ओव्हरब्रिज के विरोध में आज क्षेत्र के प्रभावित दुकानदारों, व्यापारियों के बच्चे भी जन संघर्ष समिति के धरनास्थल पहुंचे और एमपीआरडीसी के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने शासन-प्रशासन से मार्मिक अपील की कि बसे बसाए व्यापार-व्यवसाय को उजाड़ा नहीं जाए। हमारे सामने भूखों मरने की नोबत आ जायेगी।

संस्था इंसानियत ने भी दिया समर्थन

इस बीच नगर की सामाजिक संस्था इंसानियत ने भी समिति को अपना समर्थन देते हुए हरसंभव सहयोग का वादा किया। रविवार दोपहर करीबन 2 बजे जोयो तिराहे के समीप आयोजित धरनास्थल पहुंचे क्षेत्र में रोजगार से जुड़े लोगों के बच्चों ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थी। जिन पर रोड़ का विकास हो रहा तो हमारा विकास क्यों रुक रहा, मुख्यमंत्री जी हमारा भविष्य बचाइये, मेरे पापा की दुकान मत लो, रोड़ ऊंची क्यों बना रहे रोजगार मर जायेगा जैसे नारे लिखे गए थे। बच्चों के साथ ही क्षेत्र का दिव्यांग किसान राजेश धाकड़ भी हाथ में एक कागज का टुकड़ा थामे नजर आया। जिस पर लिखा था मैं तो दिव्यांग हुं मेरे परिवार को दिव्यांग क्यों बना रहे। इस दौरान संस्था इंसानियत के एडवोकेट वरुण क्षोत्रिय, अजय श्रीवास्तव, कवरलाल पाटीदार, अशोक पाटीदार, कृष्णा अखेड़िया, अन्नपूर्णा पवार, रिजवान पठान, आबिद खान, मेहबूब मंसूरी, शाहसेद खान, लखन धाकड़ आदि मौके पर पहुंचे और भुतेड़ा से जोयो तिराहे तक निर्मित होने वाले ब्रिज का विरोध जताते हुए समिति को समर्थन दिया। इतना ही नहीं इस संस्था के सदस्यों ने यहां आए बच्चों का पुष्पहार पहना कर स्वागत किया। साथ ही जन संघर्ष समिति के सदस्यों का भी फूलमालाओं से अभिनन्दन कर उनकी हौंसलाअफजाई की। इस अवसर पर समिति के असलम मेव, सुनील पोखरना, जगदीश सोलंकी, मनोज मेहता, सुरेश धनोतिया, रमेश धाकड़, धर्मेंद्रमाली ओसवाल, मांगीलाल विजवा, आरिफ भाई, हब्बू भाई, अब्दुल भाई मेव सहित कई लोग मौजूद रहे।

समाज के 15 मंडलों के महंत की उपस्थिति में हुआ पौधारोपण

जावरा। दशनाम गोस्वामी समाज मण्डल सुखेड़ा पिपलौदा के ग्राम शेरपुर में आज भंवरगिरि, (पूर्व मण्डल अध्यक्ष), गोपाल गिरि, गणेश गिरि की पूज्यनीय माताजी गीता बाई गोस्वामी का विशाल भंडारा किया गया जिसमें निवास स्थान से जुलुस आतिशबाजी के साथ समाधी स्थल पहुँचा जहाँ समाधी पूजन के पश्चात समाधिस्थल पर वृक्षारोपण का पुनीत कार्य भी गोस्वामी परिवार द्वारा किया गया। एवं सभी मण्डल के महन्तो का सम्मान किया गया जिसमें समाज के 15 मण्डल के महन्त उपस्थित हुए। जिसमें दिलीपपुरी पिपलौदा, भेरू गिरी एलची, प्रदीपगिरी नयानगर, भंवरगिरी घटला, श्यामगिरी पडुनी, दयालगिरी, अर्जुनपूरी रूपावली, मुकेश गिरी नारायण गढ, शिव भारती खाचरौद, किशोर गिरी जालौनेर, कैलाश गिरी नाहरगढ, मोहन गिरी तुम्बडकाटा, कैलाश गिरी चायडा मन्नुपुरी बदनावर, राधुगिरी, कैलाश गिरी, गोपाल गिरी शेरपुर, संजय पुरी, मदनपुरी पिपलौदा, किशोर गिरी, मंगलगिरी, जगदीश गिरी, संतोष गिरी रुनीजा सहित बड़ी संख्या में समाज के सभी लोग उपास्थित हुए।

चेकिंग अभियान में पुलिस ने एक जिला बदर आरोपी सहित 3 लोगों को धारदार चाकू लेकर घूमते पकड़ा- 02 स्थानों पर अवैध शराब पकड़ी

रतलाम।

एसपी अमित कुमार के निर्देश पर न्यू ईयर तक पुलिस का रात्रि कालीन चेकिंग अभियान जारी है। चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन लोगों को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है, वहीं दो स्थानों से शराब भी पकड़ी है।

एसपी अमित कुमार द्वारा शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं शहर में हुई चाकूबाजी की घटनाओं के दृष्टिगत सीएसपी एवं शहर के सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में गश्त, पेट्रोलिंग करने एवं विशेष चेकिंग अभियान चलाकर गुंडे, बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों की चैकिंग कर कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

इसी तारतम्य में सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया के नेतृत्व में शहर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। शहर में रात्रि में बेवजह घूमने वालों, सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों, नशे में वाहन चलने वालों, होटल, लॉज, ढाबा की चेकिंग की जा रही है। चेकिंग के दौरान बिती रात औद्योगिक क्षेत्र पुलिस टीम को एक जिलाबदर आरोपी को धारदार चाकू लेकर घूमते हुए पकडने में सफलता प्राप्त हुई है। चेकिंग के दौरान ही 02 अन्य लोगों को अवैध रूप से चाकू लेकर घूमते पकड़ा गया। संदिग्ध स्थानों पर

चेकिंग के दौरान ही दो अलग अलग स्थानों पर

अवैध शराब बेचने वाले पर कार्रवाई की गई

महत्वपूर्ण भूमिका

उक्त जिला बदर, अवैध शराब व अवैध हथियार के मामले में आरोपीयो को पकडने मे थाना औद्योगिक क्षेत्र रतलाम के थाना प्रभारी उनि वी.डी. जोशी, सउनि. गिरधारीलाल परमार, सउनि गोरचंद परमार, प्रआर. नौशाद, प्रआर. जितेन्द्रसिंह गौड, प्रआर. रितेश पाटीदार, प्रआर. गजेन्द्र शर्मा, आर. कान्हा, आर. कारूलाल, आर. पवन मेहता, आर. नरेन्द्रसिंह पंवार. आर. मयंक चौधरी, आर. महेन्द्रसिंह थाना औद्योगिक क्षेत्र रतलाम का विशेष योगदान रहा।

रात को घूमने वालों को दी हिदायत

डॉट की पुल क्षेत्र से शुरू हुआ चेकिंग अभियान लक्ष्मण पूरा, गांधी नगर, जवाहर नगर मेन रोड होते हुए शहर के चारों थाना क्षेत्रों में पहुंच चेकिंग की। रोड व पान की दुकान, चाय की होटलों पर बिना कारण खड़े युवाओं के खड़े होने पर सवाल किए तो बहाने बनाने लगे। तब उन्हें हिदायत देकर बेवजह घूमने से मना किया। अगली बार दिखने पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

पुलिस अधिकारियों ने शहर के अलग अलग हिस्सों में जाकर गुंडे बदमाशों के घर की तलाशी भी ली। सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया बाइक पेट्रोलिंग की है। चेकिंग का अभियान लगातार चलता रहेगा।

रतलाम के जैन समाज की एक अद्भुत मिसाल रही

रतलाम। स्वर्ण नगरी रतलाम के जैन समाज की एक अद्भुत मिसाल रही है कि यहां जब भी किसी भी समाज का - चाहे वह दिगंबर हो - चाहे श्वेतांबर - या स्थानकवासी - जब भी बड़ा आयोजन होता है तो पूरी दिगंबर जैन समाज के साथ ही सकल जैन समाज कंधे से कंधा मिलाकर हर आयोजन में साथ रहती है।

इसी कड़ी में आगामी 10 से 15 जनवरी 25 को होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के लिए भी सकल जैन समाज की मीटिंग बुलाई गई जिसमें नगर के सभी दिगंबर जैन मंदिर के पदाधिकारियों के साथ ही सकल जैन श्री संघ के सदस्य गण उपस्थित रहे एवं 12 जनवरी जन्म कल्याणक - रविवार के दिन प्रतिष्ठा महोत्सव में रतलाम की सकल जैन समाज के स्वामी वात्सल्य के आयोजन का भी निर्णय लिया गया साथ ही शोभायात्रा एवं नेमी कुमार की बारात में भी सभी जैन समाज जनों को आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ ही श्री चंद्र प्रभु श्रावक संघ के ओमजी अग्रवाल, मांगीलाल जैन, श्री तोपखाना मंदिरजी के कमलेश पापड़ीवाल, अनिल पापड़ीवाल, नरेंद्र गोधा, श्री हाथी वाला मंदिर के अध्यक्ष जयंतीलाल पनोत, भाई प्रभातजी दोषी, विक्रम नगर मंदिर के श्री जम्बुजी सांवला, कस्तूरबा नगर मंदिर के महेंद्रजी, वीरेंद्रजी मिंडा, नरसिंहपुरा समाज केअनुरागजी, विजयजी आदि के साथ ही सकल जैन श्री संघ के सुशील छाजेड़, प्रकाश जैन, श्रीमान निर्मल लुनिया, महेंद्र चानोदिया, जयंत वोरा, राजेश सुराणा उपस्थित रहे।

मीटिंग राम मोहल्ला में नवनिर्मित मंदिर में आयोजित की गई और सभी ने पूरे मंदिर का भी अवलोकन कर काफी सराहना की।

इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार अजमेरा, प्रमोद पाटनी, मानमल जी गर्ग, चंद्र प्रकाश जी मोठिया, कमल की पाटनी, संजय गोधा, कीर्ति बडजात्या, मुकेश मोठिया उपस्थित थे। उक्त जानकारी आयोजन समिति के सचिव जिनेंद्र पाटनी एवं सहसचिव अंकित पाटनी ने दी।

जलकर राशि के नियमित भुगतान से ही नलजल योजना का सफल संचालन संधारण संभव

रतलाम। जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम बासिंद्रा के पंचायत भवन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य एवं ग्राम पंचों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर पीएचई विभाग के जिला जल सलाहकार श्री आनंद व्यास ने नल जल योजना के महत्व को बताते हुए कहा कि योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जलकर राशि का नियमित भुगतान हर उपभोक्ता के द्वारा किया जाए। योजना में हुई टूट फुट, बिजली का बिल, नल चालक की तनख्वाह आदि कई खर्च होते हैं इसके लिए जलकर की वसूली बहुत जरूरी है। साथ पानी व्यर्थ ना हो इसके लिए नलों पर टोटिया लगानी चाहिए।

बैठक में उपयंत्री सुश्री शुभा अर्गल, राजेंद्र पाल, जुल्फिकार अली, श्रीमती मथुराबाई मुनिया, भूपेंद्र सिंह चुंडावत, रणछोड़ लाल राठौर, सोहनलाल मेहता, रतनलाल मुनिया, श्रीमती टीमाबाई, दिलीप लबाना, देवीसिंह कतीजा, गौतम अमलियार, कोदर डामर आदि उपस्थित थे।

इंदौर - कोच्चुवेली परिवर्तित मार्ग से जाएगी

रतलाम। दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद मंडल के मोटूमारी रेलवे स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य हेतु प्रस्तावित ब्लॉक के कारण गाड़ी संख्या 22645 इंदौर कोच्चुवेली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। 30 दिसम्बर, 2024 को इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 22645 इंदौर कोच्चुवेली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया बल्लहारशाह-काजीपेट-मलकाजगिरी-काचीगुडा-डोन-गुत्ती-रेणिगुंटा-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल चलेगी।

कुशाभाऊ ठाकरे मण्डल द्वारा 21 कंबल का वितरण

रतलाम। शहर के कुशाभाऊ ठाकरे मण्डल द्वारा श्रद्धेय स्व. श्री कुशाभाऊ ठाकरे जी की पुण्यतिथि पर कंबल वितरण किया गया। समाजसेवी एवं रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य रूमी कान्ट्रेक्टर के मुख्य आतिथ्य में पुष्पांजलि अर्पित कर जरूरतमंदो को कंबल वितरित किए गए। जरूरतमंद लोगों को कुल इक्कीस कंबल वितरित किए गए। पुण्यतिथी के अवसर पर पूर्व महापौर शैलेन्द्र डागा, मण्डल अध्यक्ष आदित्य डागा, महामंत्री राकेश परमार, भुपेन्द्र कावडिया, विपिन श्रीमाल, नितेश सोनी, हार्दिक मेहता, अर्चित डागा के साथ कुशाभाऊ मण्डल के पदाधिकारी और कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

बिलपांक पुलिस ने कार से डोडा चूरा पकड़ा

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों तथा बीट प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ के व्यापार एवं परिवहन से जुड़े संदिग्ध लोगों पर कड़ी वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं अनुविभागीय अधिकारी रतलाम ग्रामीण किशोरकुमार पाटनवाला के मार्गदर्शन में बिलपांक थाना प्रभारी अय्युब खान के नेतृत्व में थाना बिलपांक की टीम बनाकर अवैध मादक पदार्थ के व्यापार एवं परिवहन में संलिप्त संदिग्ध लोगों की जानकारी प्राप्त करने हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय किए गए । विश्वनीय मुखबीर से सुचना मिली कि सफेद रंग की अल्टो गाडी नं जी0जे0 12 सी0जी0 4195 मे डोडाचुरा के बोरे भरे हुए है जो धराड से बदनारा तरफ जाने वाले है तत्काल दबिश दी जाये तो सफलता मिल सकती है ।

मुखबीर द्वारा बताये गये स्थान पर टीम द्वारा घेराबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान धराड बदनारा रोड माँ कवलका ढाबा के पास सफेद रंग की एक अल्टो कार जी0जे012 सी0जी0 4195, धराड साईड से आते हुवे दिखाई दी जिस पर हमराही फोर्स एव पंचान को अर्लट कर गाडी की घेराबंदी कर रूकवाया गाडी मे बेठे ड्राईवर व उसके पास वाली सीट पर बेठे दो लोगो से उनके नाम पता पुछते ड्राईवर द्वारा अपना नाम दिनेश पिता गिरधारीलाल गेहलोत उम्र 40 साल निवासी धराड तथा उसके पास वाली सीट पर बेठे दो लोगो ने अपने नाम परमानंद पिता कालूराम डोडीयार जाति भील उम्र 32 साल

निवासी प्रीतमनगर ओर करण पिता राजाराम चौधरी उम्र 20 साल जाति गायरी आजाद चौक धराड बताया। तलाशी लेन पर गाडी की पिछे वाली सीटो पर पार्चे प्लास्टीक के बोरे जिसमे चार काले रंग वाले तथा एक पिले रंग का पाये गये जिनका मुह सुतली से बधां हुआ था।

पांचों पुत्रों बोरो का वजन करते कुल 81 किलो ग्राम डोडा छीलका किमती 01 लाख रूपये तथा अल्टो गाडी किमती 1,50,000/00 रुपये को धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत् विधिवत जप्त कर तीनो आरोपीयो को गिरफ्तार किया गया व आरोपीयो के विरुध्द थाना बिलपांक पर अपराध क्र. 744/2024 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। आरोपीयो से उक्त अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा छिलका कहा से लाने व किसे देने जाने वाले के बारे मे पुछताछ की जा रही है ।

महत्वपुर्ण भूमिका - निरी. अय्युब खान थाना प्रभारी बिलपांक , प्र.आर. ईश्वरसिह , आर .माखनसिह, आर हेमंत यादव ,आर. संजय सोनी ,आर.अमित यादव की महत्वपुर्ण भुमिका रही। सराहनिय भुमिका - उनि सुभाष अग्निहोत्री , उनि सुरेश गोयल , सउनि अरविन्द सिंह भंवरेला , प्र.आर. शिवपालसिह , आर. धर्मेन्द्र यादव ,आर. विजय कोगे , आर.चतरसिह , आर.संजय वास्कले ,सैनिक राकेश जाट ,सैनिक कमलेश परमार का सराहनिय योगदान रहा ।

इन कलाकारों ने किया यादगार कमबैक!

साल 2024 में टेलीविज़न की दुनिया ने कुछ ऐसे कमबैक देखे जो हमेशा दर्शकों के लिए यादगार बने रहेंगे।

संगीता घोष

शो साझा सिंदूर के साथ अभिनेत्री संगीता घोष ने पूरे दो साल बाद अपनी धमाकेदार वापसी की। इस शो में उन्होंने सरोज का किरदार निभाया है, जो एक ग्रे-शेड किरदार सौतेली मां का है।

शेफाली जरीवाला

कांटा लगा गर्ल शेफाली जरीवाला ने पूरे पांच साल बाद शो शैतानी रस्में में कपालिका नामक तांत्रिक के किरदार में, खूब जादू बिखेरा।

मोहम्मद नाज़िम

चार साल के अंतराल के बाद, मोहम्मद नाज़िम ने शो शमशान चंपा के साथ अपनी वापसी की। इस शो में उन्होंने शांति सिंह का किरदार निभाया, जो एक डेविल शिकारी है।

जया भट्टाचार्य

शो छठ्ठी मैया की बिटिया में अभिनेत्री जया भट्टाचार्य ने तीन साल बाद वापसी की। शो में उन्होंने उर्मिला नामक एक जटिल सौतेली मां का किरदार निभाया।

राजश्री ठाकुर

चार साल के ब्रेक के बाद, राजश्री ठाकुर ने शो बस इतना सा ख्वाब के साथ चार साल के ब्रेक के बाद अभिनेत्री राजश्री ठाकुर ने अपनी इमोशनल वापसी की।

नसीरुद्दीन सर की तारीफ मेरी बड़ी उपलब्धि...

बंदिश बैंडिट्स गर्ल श्रेया चौधरी ने अपनी परफॉर्मेंस से नसीरुद्दीन शाह को प्रभावित किया। बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 रिलीज के बाद से ही चर्चा का केंद्र है। अभिनेत्री श्रेया चौधरी पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। उन्हें अभिनेता नसीरुद्दीन शाह से भी तारीफें मिल रही हैं। पहले सीजन में नसीरुद्दीन शाह ने पंडित जी का किरदार निभाया था।वह उन्हें अपना आदर्श मानती हैं। कहा, नसीरुद्दीन सर मेरे लिए प्रेरणा हैं। उनसे बहुत कुछ सीखा। उनकी प्रतिक्रिया और तारीफ मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम है। संतोषजनक और आश्वस्त करने वाला है ।

श्रद्धा ने करवा दी थी वरुण की पिटाई

वरुण धवन और श्रद्धा कपूर की बचपन की दोस्ती से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा चर्चा का विषय बना। वरुण ने बताया कि कैसे 8 साल की उम्र में श्रद्धा ने उन्हें प्रपोज किया था और उनके इंकार के बाद अपनी गैंग से उनकी पिटाई करवा दी थी। वरुण ने कहा, हम आठ साल के थे, जब श्रद्धा मुझे पहाड़ों पर ले गई और प्रपोज किया। उस उम्र में कौन लड़का किसी लड़की को पसंद करता है? मैंने उसका प्रपोजल ठुकरा दिया। लेकिन मेरे इंकार से श्रद्धा नाराज हुई और अपने दोस्तों से वरुण की पिटाई करवा दी। वरुण ने बताया, श्रद्धा का दसवां बर्थडे था। श्रद्धा ने मुझे पार्टी पर बुलाया था। उस समय, चार लड़के और थे जो श्रद्धा को पसंद करते थे। हम जंपिंग बैग गेम खेल रहे थे, तभी वे लड़के मुझसे भिड़ गए और पूछा कि तुम्हें श्रद्धा पसंद क्यों नहीं है? फिर मेरी पिटाई कर दी। हालांकि, वरुण ने कहा कि जब उन्होंने बाद में श्रद्धा की खूबसूरती देखी, तब उन्हें अपने इंकार पर पछतावा हुआ।

व्यक्तित्व गतिविधियों में परिलक्षित होता है

पल्लवी गुर्जर निर्देशन की शुरुआत कर रही हैं। वह 2 दशकों से मनोरंजन उद्योग में हैं और हेमा मालिनी, लिलेट दुबे और अनुपम खेर जैसी प्रसिद्ध हस्तियों के साथ काम किया है। वह थिएटर और मनोरंजन उद्योग के लिए एक कंसल्टेंसी आर्ट एरेना की संस्थापक निदेशक हैं और उनके नाम पर कई प्रशंसित परियोजनाएं हैं जैसे मेरा वो मतलब नहीं था, डिनर विद फ्रेंड्स आदि। 2003 में कंपनी शुरू करने के बाद से, अपने काम के प्रति उनके जुनून और मजबूत झुकाव और जिन लोगों के साथ वह काम करती हैं उनके प्रति उनके समर्पण के कारण यह तेजी से बढ़ी है। मुंबई विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य और मनोविज्ञान में स्नातक करने के बाद उनकी यात्रा शुरू हुई। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से ड्रामा में डिप्लोमा किया और फिर 8 साल तक नेहरू सेंटर के कल्चर विंग में काम किया। इस योग्यता के साथ, उन्होंने उद्योग में निदेशक, रचनात्मक डिजाइनर और प्रबंधक, दृश्य और ग्राफिक डिजाइनर के रूप में कई भूमिकाएँ निभाई हैं। उनका गतिशील व्यक्तित्व उनके द्वारा की गई कई गतिविधियों में परिलक्षित होता है, जो केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि विभिन्न व्यावसायिक नाटक, बैले प्रस्तुतियां, नृत्य गायन और बहुत कुछ शामिल हैं।

एक ख्वाब, दोगुना एहसास

शो जाने अनजाने हम मिले दर्शकों का दिल जीत रहा है। कहानी और दमदार किरदारों ने सभी को बांध रखा है। शो में राघव और रीत का किरदार निभा रहे भरत अहलावत और आयुषी खुराना की जोड़ी ने अपनी अनोखी केमिस्ट्री से फैंस का दिल जीत लिया है। शो में जहां रीत अपने परिवार के लिए बड़ी कुर्बानी देकर राघव से शादी करती है, वहीं पर्दे के पीछे आयुषी अपने असली बड़े दिन की तैयारियों में लगी हुई थीं। शो में रीत की शादी को परंपरागत हल्दी, मेहंदी और फेरे जैसे रीति-रिवाजों के साथ भव्यता से दिखाया गया। दूसरी ओर, आयुषी अपनी असली शादी को खास बनाने में लगी हुई थीं। यह उनके लिए ऐसा था, जैसे एक ही खूबसूरत सपना दो बार जी रही हों। दोनों शादियां प्यार, परंपरा और खुशी से भरी हुई थीं।

रोहन को अर्जुन रामपाल के साथ मौका मिला

बंदिश बैंडिट्स का दूसरा सीजन रिलीज़ हुआ है। रोहन गुर्बक्सानी ने पियानिस्ट का रोल किया है। रोहन को अर्जुन रामपाल के साथ काम करने का मौका मिला। रोहन ने कहा, रॉक ऑन में उनका जो मास्करेनहास का रोल मुझे बहुत पसंद आया था। कॉलेज में मैंने एक्सेल एंटरटेनमेंट में इंटर्नशिप की थी और रॉक ऑन 2 की शूटिंग गेटवे ऑफ इंडिया पर हुई थी। वो सच में बहुत कूल इंसान हैं, यह उनकी चाल, बात करने के अंदाज और आवाज से झलकता है। उनकी सहजता ने मुझे भी सहज महसूस कराया।

पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार विवाद सरकार की मिट्टी पलीद

इंदौर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मन मोहन सिंह अपनी जीवन यात्रा के पूर्ण होने के बाद भी मौन ही रहे,उनके अंतिम संस्कार स्थल को लेकर देश की सरकार ने जो संकीर्णता दिखाई उससे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री सरदार डॉ मन मोहन सिंह की नहीं बल्कि देश की सरकार की मिटटी पलीद हो गयी। डॉ मन मोहन सिंह की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर हुआ तो भी उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा लेकिन ये सवाल जरूर खड़ा हो गया कि देश के किसी पूर्व प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार को लेकर सरकार के पास कोई मान्य नियमावली है या सब कुछ मनमानी से होता है।?

कांग्रेस ने डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थल पर करने के लिए सरकार से आग्रह किया था जहां उनका स्मारक बनाया जा सके, लेकिन सरकार ने कांग्रेस का आग्रह नहीं माना और दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार एक सामान्य नागरिक की तरह निगम बोध श्मशान में करा दिया। सरकार का हाथ कोई रोक नहीं सकता। और डॉ मनमोहन सिंह ने ऐसी कोई वसीयत छोड़ी नहीं थी जिसमें उन्होंने अपने अंतिम संस्कार के लिए कोई खास स्थान की इच्छा जताई होती। ऐसे में सरकार का निर्णय ही अंतिम होना था सो हुआ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का अंतिम संस्कार 17 अगस्त 2018 को विजयघाट पर किया गया था,लेकिन तब अटल जी की पार्टी की सरकार थी और कल जब डॉ मन मोहन सिंह का अंतिम संस्कार किया गया तब उनकी पार्टी की सरकार नहीं थी अन्यथा वे भी किसी विजय घाट पर ही अग्नि की समर्पित किये जाते। दुर्भाग्य ये है कि संकीर्णता का प्रदर्शन करने वाली सरकार अब डॉ मन मोहन सिंह के अंतिम संस्कार के फैसले पर खेद प्रकट करने के बजाय पूरी बेशर्मी से राजनीति कर रही है। पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर छुटभैया भाजपा नेता तक अपनी सरकार के फैसले का बचाव करने में लगे हैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए स्थल के चयन और उनके नाम पर स्मारक को लेकर सियासी घमासान मच गया. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जहां केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति का 'अपमान' करने का आरोप लगाया.। वहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पूर्व प्रधानमंत्री के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित की थी और उनके परिवार को इसकी जानकारी भी दी थी. उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की ऐसी ओछी सोच की जितनी भी निंदा की जाए कम है.

कांग्रेस, जिसने मनमोहन सिंह को उनके जीवित रहते कभी वास्तविक सम्मान नहीं दिया, अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। 'इससे पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर देश के पहले सिख प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए उचित स्थान न देने का आरोप लगाया है, जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सकता था. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी ने केंद्र सरकार ने मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर 'भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री' का सरासर अपमान किया है। दुनिया भर में आज तक सभी पूर्व राष्ट्र प्रमुखों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए जाते हैं ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। ,लेकिन इस मुद्दे पर सियासत केवल भारत में होती है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के फैसले पर खेद प्रकट करना चाहती थी किन्तु उसके फैसले से खुद सरकार की मिटटी पलीद हो गयी। पूरी दुनिया ने देखा की निगम बोध घाट पर कैसे प्रबंध थे । डॉ मन मोहन सिंह के परिजनों तक के बैठने का इन्तिजाम नहीं था । दूरदर्शन को छोड़ किसी दूसरे टीवी चैनल के कैमरे अंदर नहीं जाने दिए गए। डॉ मन मोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए स्थल चयन के पीछे सरकार की कौन सी मानसिकता थी। इसका आकलन समय करेगा, किन्तु अब ये सवाल भी मुंह बाये खड़ा है कि क्या भविष्य में भी देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों के अंतिम संस्कार के समय इसी तरह के विवाद खड़े होंगे या इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाएगा ? क्योंकि मरना तो सभी को है, कोई अमरौती खाकर नहीं आया। और कोई भला आदमी मरने से पहले अपने अंतिम संस्कार के लिए वसीयत लिखने से रहा।

मनमोहन सिंह के परिवार के लिए सिर्फ तीन कुर्सी, गन सैल्यूट के दौरान बैठे रहे पीएम

पूर्व पीएम के अंतिम संस्कार की व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर विवाद कांग्रेस ने उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार में सरकार की तरफ से अव्यवस्था और अनादर देखकर हैरानी हुई। खेड़ा ने सात पॉइंट में अंतिम संस्कार से जुड़ी आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के लिए तीन ही कुर्सियां रखी गई थीं। परिवार के बाकी लोगों के लिए कुर्सियां मांगनी पड़ीं। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी पर ये आरोप भी लगाया कि जब डॉ. सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया और गन सैल्यूट दिया गया तो पीएम मोदी और मंत्री खड़े नहीं हुए। खेड़ा ने कहा कि इस अव्यवस्था और अनादर से ये साफ जाहिर होता है कि एक महान नेता के प्रति सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों में कितनी कमी है। देश के पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह सम्मान और गरिमा के हकदार थे। इससे पहले राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि सिख समुदाय के पहले पीएम डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर केंद्र सरकार ने उनका अपमान किया है।

दिल्ली में होगी भाजपा के जिला अध्यक्षों की सूची फाइनल

जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह मे होगी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

इंदौर। मध्य प्रदेश के भाजपा संगठन में ब्लॉक अध्यक्षों के चयन का काम लगभग पूरा हो चुका है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर जिले स्तर पर कई बैठकें हो चुकी है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर प्रादेशिक और केंद्रीय नेताओं के दबाव को देखते हुए जिला अध्यक्षों के चयन का काम दिल्ली में पूरा होगा। मध्य प्रदेश संगठन के सभी नेता जिला अध्यक्षों के नामो को लेकर दिल्ली पहुंच गए हैं।

रविवार से दिल्ली मुख्यालय पर 2 दिन की बैठक आयोजित की गई है। जिसमें जिला अध्यक्षों के नामो पर संगठन द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इस तरह के संकेत मिल रहे हैं। जनवरी के प्रथम और द्वितीय सप्ताह में मध्य प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों का चयन कर लिया जाएगा।

प्रदेश और केंद्रीय संगठन ने जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कुछ गाइडलाइन तैयार की है। इसमें अभी अंतिम मुहर नहीं लगी है। अंतिम निर्णय दिल्ली की बैठक में लिया जाएगा।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन जिला अध्यक्षों का 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया है। 60 वर्ष से अधिक उम्र वालों को भी जिला अध्यक्ष पद पर काम करने का अब मौका नहीं दिया जाएगा।

दिल्ली की बैठक में मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, संगठन महामंत्री चिदानंद,प्रदेश चुनाव प्रभारी सहित सभी प्रभारी और सभी पर्यवेक्षक दिल्ली की बैठकों में शामिल होंगे। 1 जनवरी से लेकर 3 जनवरी के बीच में तीन नाम का पैनल तैयार कर लिया जाएगा। जिन-जिन नाम पर सहमति बनती चली जाएगी।

वैसे ही जिला अध्यक्षों की घोषणा होती चली जाएगी। जनवरी माह के दूसरे सप्ताह तक प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का काम पूर्ण कर लिया जाएगा।

2025 में भी नहीं होगी एसआई की भर्ती

2017 में आखिरी बार हुई थी सब इंस्पेक्टर की भर्ती

इंदौर। पिछले 7 सालों से सब इंस्पेक्टर की भर्ती मध्य प्रदेश में नहीं हुई है। हाल ही में मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने 2025 का जो शेड्यूल जारी किया है। उसमें भी सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का कोई उल्लेख नहीं है। लगातार 8 वर्ष तक सब इंस्पेक्टर की भर्ती नहीं होने से पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर की भारी कमी है। थाना प्रभारी के पदों पर सब इंस्पेक्टरों को तैनात किया जा रहा है। जिसके कारण पुलिस विभाग का सेटअप बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा सब इंस्पेक्टर के खाली पदों को भरने के लिए कर्मचारी चयन मंडल को कोई जानकारी नहीं दी है। जिसके कारण मध्य प्रदेश पुलिस के सब इंस्पेक्टर के पद पिछले कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं।

2025 के शेड्यूल में कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 20 परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें पांच प्रवेश परीक्षा और 15 भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएंगी। मध्य प्रदेश में पिछले 11 सालों में केवल चार बार पुलिस सब इंस्पेक्टर पद की भर्ती निकाली गई है। 2017 में आखिरी बार 611 पदों के लिए भर्ती हुई थी।

मध्य प्रदेश में अपराध तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। पुलिस सेटअप में खाली पदों को भी नहीं भरा जा रहा है। जिसके कारण सब इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर स्तर पर भारी कमी बनी हुई है। जिसके कारण शांति व्यवस्था और अपराधों के अन्वेषण के लिए जो पुलिसकर्मी आवश्यक हैं। वह भी पुलिस विभाग के पास नहीं है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com